[This question paper contains 4 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 167 **D** **आपका अनुक्रमांक.....**

Unique Paper Code : 205482

Name of the Course : **B.Com. (Prog.)**

Name of the Paper : M.I.L. Advanced HINDI
CP 4.5----HINDI (B)
प्रश्न-पत्र CP 4.5 हिन्दी (ख)

Semester : IV

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित पाठांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (5×3=15)

(क) मैंने इंतज़ार किया-

अब कोई बच्चा

भूखा रहकर स्कूल नहीं जाएगा

अब कोई छत बारिश में नहीं टपकेगी।

अब कोई आदमी कपड़ों की लाचारी में

अपना नंगा चेहरा नहीं पहनेगा

अब कोई दवा के अभाव में

घुट-घुटकर नहीं मरेगा।

अथवा

P.T.O.

यह मेरा देश है

और यह मेरे देश की जनता है

जनता क्या है ?

एक शब्द...सिर्फ एक शब्द है :

कोहरा और कीचड़ और काँच से बना हुआ...

एक भेड़ है

जो दूसरो की ठंड के लिए

अपनी पीठ पर

ऊन की फ़सल ढो रही है।

(ख) अपने अर्थशास्त्र के बावजूद वह यह समझता था कि आदमी की ज़िंदगी सिर्फ़ आर्थिक पहलू तक सीमित नहीं और वह यह भी समझता था कि जीवन को सुधारने के लिए सिर्फ़ आर्थिक ढाँचा बदल देने भर की ज़रूरत नहीं है। उसके लिए आदमी का सुधार करना होगा, व्यक्ति का सुधार करना होगा। वरना एक भरे-पूरे और वैभवशाली समाज में भी आज के-से अस्वस्थ और पाशविक वृत्तियों वाले व्यक्ति रहेंगे तो दुनिया ऐसी ही लगेगी जैसे एक खूबसूरत सजा-सजाया महल जिसमें कीड़े और राक्षस रहते हों !

अथवा

एक व्यक्ति के सुझाव के लिए हम समाज को क्यों नुकसान पहुंचाएँ ! और इसका क्या निश्चय कि विवाह के समय यदि दोनों में मानसिक संतुलन है तो विवाह के बाद भी रहेगा ही। मानसिक संतुलन और प्रेम जितना अपने मन पर आधारित होता है उतना ही बाहरी परिस्थितियों पर। क्या जाने ब्याह के वक्त की परिस्थिति का दोनों के मन पर कितना प्रभाव है और उसके बाद संतुलन रह पाता है या नहीं ? और मैंने तो लव-मैरिजेज (प्रेम-विवाह) को असफल ही होते देखा है।

(ग) बहुत पुरानी और न जाने कितनी बड़ी यह दुनिया है। इसकी कोई थाह नहीं। जो कुछ भी कोई कह दे, हमें उसी पर यकीन करना पड़ता है। और जहां तक इंसान की तरक्की की बात है... उसने तरक्की-फरक्की कुछ नहीं की है। वह सिर्फ तरक्की तहज़ीब, तमद्दुन का नाटक खेलता चला आया है। बुनियादी तौर पर दरअसल वह वहीं खड़ा है। वही डर, वही भूख, वही---।

अथवा

मेरे जन्म के साथ, तुझमें अब एक नया विश्वास पैदा हुआ है... आज समाज में केवल दो ही 'आइडिया' हैं, राजनीति और नौकरी...! तभी हर राजनीति नौकरी हो जाती है, और हर नौकरी राजनीति।

2. 'पटकथा' किसकी कविता है ? इसमें कवि क्या कहना चाहता है ? स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'पटकथा' कविता में किन समस्याओं को उठाया गया है ? (10)

3. 'गुनाहों का देवता' का कथा-सार लिखिए।

अथवा

'गुनाहों का देवता' के आधार पर चन्दर कपूर का चरित्र-चित्रण कीजिए। (10)

4. 'मिस्टर अभिमन्यु' नाटक का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'मिस्टर अभिमन्यु' नाटक के प्रमुख पात्र 'राजन' का चरित्र-चित्रण कीजिए। (10)

5. 'कॉरपोरेट' फिल्म की कथा लिखिए। (10)

6. 'कॉरपोरेट' फिल्म में किस पात्र का अभिनय आपको प्रभावित करता है ? चर्चा कीजिए। (5)

7. निम्नलिखित साहित्यकारों में से किसी **एक** का साहित्यिक परिचय दीजिए :

कबीरदास, बिहारी लाल, भारतेंदु हरिश्चंद्र, प्रेमचंद, महादेवी वर्मा। (15)